सत्यमेव जयते

दिनेश त्रिवेदी
دنیش ترویدی
Dinesh Trivedi
দীনেশ ত্রিবেদী

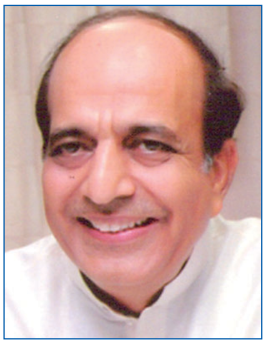

रेल मंत्री
भारत सरकार
وزیر ریلوے
بھارت سرکار
Minister for Railways
Government of India

दिनांक 14 सितम्बर, 2011

हिंदी दिवस संदेश-14 सितम्बर, 2011

रेल परिवार के मेरे प्रिय साथियो,

हिंदी दिवस के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं।

आप सभी जानते हैं कि किसी भी देश की पहचान उसकी राजभाषा से होती है। हमारे देश को यह पहचान 14 सितम्बर,1949 को मिली थी। जब संविधान सभा ने हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। तब से प्रत्येक वर्ष 14 सितम्बर का दिन हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। उस स्वर्णिम दिन से आज तक राजभाषा हिंदी अनेक कीर्तिमान स्थापित करते हुए अपनी विकास यात्रा पर गतिशील है।

इस वर्ष हम स्वतंत्रता की 64वीं वर्षगांठ मना रहे हैं और इस लम्बी अवधि में भारत का यह सतत् प्रयास रहा है कि हिंदी को भी देश-विदेश में अन्य प्रचलित भाषाओं की तरह मान्यता मिले। चौंसठ वर्षों का एक लम्बा समय किसी भी भाषा के लिए सक्षम, सुदृढ़ और वैज्ञानिक दृष्टि से समृद्ध होने के लिए पर्याप्त है।

किसी महान् लेखक का कथन है कि 'साहित्य समाज का दर्पण है।' यदि आप किसी देश या राष्ट्र का उत्थान करना चाहते हैं तो सर्वप्रथम उसकी मातृभाषा का उत्थान करना होगा। भारत सरकार हिंदी के प्रसार हेतु सतत् प्रयासरत है जिसका एक बड़ा कारण यह भी है कि हिंदी देश के बहुतायत प्रदेशों की मातृभाषा है तथा किसी न किसी रूप में यह राष्ट्रभर की अन्य सभी भाषाओं से जुड़ी हुई है। आज भारतीय अर्थव्यवस्था उत्तरोतर सुदृढ़ होती जा रही है जिसका काफी हद तक श्रेय संस्कृति की संवाहिका 'हिंदी' को जाता है। चूँकि हिंदी के प्रचार-प्रसार में रेल महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है, अत: प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में भारतीय रेल को भारत की प्रगति का आईना माना जाता है।

मैं आप सबका इस ओर विशेष ध्यान चाहूँगा कि सूचना प्रौद्योगिकी ने संप्रेषण स्थलों पर नई-नई क्रांतियों को जन्म दिया है और कंप्यूटर इस क्रांति का सशक्त माध्यम रहा है। इस माध्यम का इष्टतम लाभ उठाने के लिए यह आवश्यक है कि हम अपना अधिकाधिक काम कंप्यूटर पर हिंदी में करें।

हिंदी दिवस के अवसर पर मैं आप सबको बधाई देता हूँ। आइए, आज हम सब रेलों पर अधिकाधिक काम हिंदी में करने का एक बार फिर संकल्प लें।

जय हिंद!

दिनेश त्रिवेदी

(दिनेश त्रिवेदी)